अत्याधुनिक तकनीक ने बनाया घुटना व कूल्हा प्रत्यारोपण और दूरबीन लिगामेंट सर्जरी को सरल, सफल व सटीक

आधुनिक युग में आरामदायक जीवन व नियमित व्यायाम की कमी की वजह से हमारे शरीर की खास तौर पर टांगों की मांसपेशियां ढीली और कमजोर हो जाती है। इसकी वजह से घुटने पर सारा भार,

Total Knee Joint Replacement (TKR)

घुटने की चिकनी सतह पर (Articular Cartilage) व लिगामेंट अर्थात घुटने के अंदरूनी तारों पर आ जाता है। ऐसे में हल्की सी चोट लगने पर फिसल के गिरने पर या दौड़-भाग करने पर यह सतह चटकने लगती है, और तार टूट जाते है।

सतह के चटकने से व घिसने से घुटनों में दर्द, सूजन व टेड़ापन 40 साल के ऊपर की उम्र में आना शुरू हो जाता है जिसकी (ऑस्टियोआर्थराइटिस) बीमारी के नाम से जाना जाता है।

आर्थोप्लास्टी अर्थात् कृत्रिम जोड़ प्रत्यारोपण से इन लाइलाज बीमारियों का भी इलाज आज सरल, सफल व सटीक हो गया है।150 डिग्री मुड़ने वाला जर्मन एवं अमेरिकन घुटना इम्प्लांट के प्रयोग से मरीज ऑपरेशन के बाद पूर्ण रूप से चलने फिरने के साथ-साथ उकड़ू बैठने एवं पाल्थी लगाके बैठने में सक्षम हो जाता है। घुटना प्रत्यारोपण कुछ समय पूर्व तक काफी महंगा इलाज था परन्तु अत्याधुनिक तकनीक के प्रयोग से एवं सरकार द्वारा घुटना जोड़ इम्प्लांट की कीमत निर्धारित करने के बाद अब यह इलाज काफी सस्ता हो गया है। हाई फ्लैक्स घुटना जोड इम्प्लांट जिसकी कीमत पहले सवा लाख थी अब मात्र ₹56490+GST में श्री राम मूर्ति स्मारक अस्पताल में तत्काल प्रभाव से मरीजों के लिए उपलब्ध है। इस नवीन तकनीक से जोड़ प्रत्यारोपण बहुत ही आसान हो गया है और ऑपरेशन के बाद मरीज तीसरे दिन से चलने फिरना भी शुरू कर देता है।

AVN Hip कूल्हे की बीमारी से कूल्हा सूखकर जाम हो जाता है टांग छोटी-बड़ी हो जाती है। व्यक्ति लाठी के सहारे लंगड़ाकर ही चल पाता है इस बीमारी की शुरूआती अवस्था में Core Decompression & Bone Grafting एवं Platelet (PRP) & Stem Cell

Therapy द्वारा इलाज किया जा सकता है। आखिरी स्टेज में कूल्हा पूर्णतया खराब व छोटा हो जाता है। इस स्थिति में (Large Head Ceramic On poly) जर्मन कूल्हा प्रत्यारोपण 160 डिग्री की चाल देता है और यह कूल्हा 30 से 35 साल काम करता है। इसके बाद मरीज उकड़ू भी बैठ सकता है और पाल्थी भी लगा सकता है।

घुटने की लिगामेंट, या तार के टूटने को (ACL Tear, PCL Tear & Meniscus Tear) के नाम से जाना जाता है। आधुनिक आर्थोस्कोपिक तकनीक अर्थात् दूरबीन जोड़ सर्जरी से इसका इलाज सफल है।

आर्थोस्कोपी तकनीक के प्रयोग से ऐसे

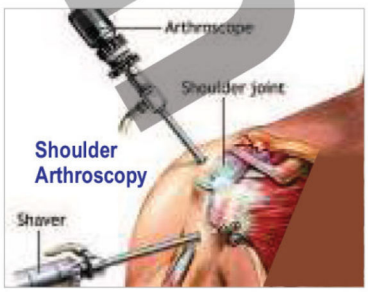

मरीजों का इलाज पूर्ण रूप से किया जा सकता है जिसके बाद मरीज सामान्य रूप से बिना दर्द के चल फिर सकता है। यदि आप उकड़ू बैठन में या पाल्थी लगाने में दर्द महसूस करते है, अचानक चलते-चलते घुटने का जोड़ फंस जाता है, जोड़ों में असहनीय दर्द, जोड़ों का जाम होना व टेढ़ा होना, सीढ़ी उतरने चढ़ने में असहनीय पीड़ा आदि समस्याओं से पीड़ित है तो आर्थोस्कोपी तकनीक आपके लिए वरदान साबित हो सकती है। इसके अतिरिक्त बार-बार कन्धा उतरना, किसी वस्तु को फेंकते समय कन्धे में दर्द होने की समस्या का भी आर्थोस्कोपी से शीघ्र निवारण किया जाता है। Bankart Repair, Latarjet Surgery SLAP Repair Surgery कन्धे की आर्थोस्कोपी द्वारा सूक्ष्म विधि कन्धे का सफल ऑपरेशन किया जा सकता है। ऑपरेशन के अगले दिन से ही मरीज बिना दर्द के जोड़ों को चलाने लगता है और तीसरे दिन से अपने सभी दैनिक कार्य सामान्य रूप से कर सकता है। श्री राम मूर्ति स्मारक अस्पताल में विश्व की सर्वोत्तम जर्मन तकनीक द्वारा आर्थोस्कोपिक सर्जरी की सुविधा उपलब्ध है।

विशिष्ट Platelet (PRP) Therapy द्वारा कोहनी व एड़ी का दर्द, कन्धा जाम, रीढ़ की डिस्क व शियाटिका की समस्या तथा घुटना व कूल्हा खराब होने की शुरूआती स्थिति में काफी लाभ मिलता है और इसके द्वारा सर्जरी सेभी बचा जा सकता है।

भारत सरकार ने इम्पोर्टेड HI FLEX KNEE (पूर्ण चाल वाला) जर्मन घुटना इम्प्लांट की कीमत ₹56490+GST* निर्धारित की, SRMS में उपलब्ध

जर्मन Large Head Ceremic पूर्ण कूल्हा प्रत्यारोपण इम्प्लांट कीमत ₹76000+GST* में, SRMS में उपलब्ध है

*सर्जरी पैकेज चार्ज अतिरिक्त

दूरबीन जोड़ सर्जरी एवं ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सेंटर
DR. U.K. GUPTA
डा0 उत्कल कुमार गुप्ता
M.S. Ortho (Gold Medalist), MCh. Ortho (US)
डा0 संजय गुप्ता
M.S. Ortho (प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष)
श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज बरेली
0581-2582000, 9458701997